

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर, झुन्झुनू

पीठासीन अधिकारी :-

जगदीश प्रसाद गौड़  
आर.ए.एस.

अपील संख्या :- 44/2020

सहेन्द्र सिंह पुत्र जगमाल, जाति अहीर निवासी ढाणी दोचाना उप तहसील सिंघाना, तहसील बुहाना,  
जिला झुन्झुनू।

—अपीलार्थी

—बनाम—

राजस्थान सरकार जरिये नायब तहसीलदार सिंघाना तहसील बुहाना, जिला झुन्झुनू।

— रेस्पोडेन्ट

प्रथम अपील विरुद्ध निर्णय व आदेश दिनांक 26.8.2020  
बअदालत नायब तहसीलदार सिंघाना उनवानी प्रकरण सरकार बनाम सहेन्द्र  
मु.न. 25/2020, अ. धारा 91 एल.आर.एक्ट. भू राजस्व अधि. 1956


उपस्थिति:-

1. श्री राजकुमार सैनी , एडवोकेट -----अपीलान्ट की ओर से ।
2. श्री श्रवण कुमार सैनी, एडवोकेट-----रेस्पोडेन्ट की ओर से।

—निर्णय—

दिनांक 17.08.2021

उक्त अपील विरुद्ध निर्णय व आदेश दिनांक 26.8.2020 उनवानी प्रकरण सरकार बनाम सहेन्द्र मु.न. 25/2020 अ. धारा 91 एल.आर.एक्ट. भू राजस्व अधि. 1956 न्यायालय नायब तहसीलदार सिंघाना के विरुद्ध पेश की गई। संक्षेप में अपील के तथ्य इस प्रकार हैं कि— योग्य अदालत मातहत ने पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड का सही रूप से अवलोकन नहीं किया। अदालत मातहत का आदेश विरुद्ध कानून व पत्रावली होने से खारिज होने योग्य है। हल्का पटवारी डूमोली कलां ने अपनी रिपोर्ट दिनांक 18.8.2020 में अपीलांट का पुराना मकान बना हुआ बताया है जिसमें अपीलांट अपने परिवार सहित रह रहा है। उक्त खसरा में 30-35 मकान और बने हुये हैं, कोई भी नया अतिक्रमण नहीं है। अपीलांट ने अपने मकानों में बिजली पानी के कनेक्शन ले रखे हैं और पक्के मकान बनाकर परिवार सहित आबाद है। पटवारी हल्का की स्पष्ट रिपोर्ट के बावजूद भी अपीलांट के विरुद्ध एक पक्षीय निर्णय पारित कर बेदखली का आदेश दिया गया है। अतः अपील स्वीकार की जाकर नायब तहसीलदार सिंघाना का निर्णय दिनांक 26.8.2020 निरस्त किये जाने का निवेदन किया।

  
अति. जिला कलक्टर  
झुन्झुनू



अपील पेश होने पर दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंडेंट को तारीख पेशी की सूचना नकल अपील के साथ भेजकर दी गई। मिसल मातहत तलब की गई। मिसल मातहत प्राप्त होने पर बहस उभय पक्ष सुनी गई।

दौराने बहस वकील अपीलार्थी ने अपील अंकित तथ्यों को दौहराते हुए बताया कि:- योग्य अदालत मातहत ने पत्रावली पर उपलब्ध रिकार्ड का सही रूप से अवलोकन नहीं किया। अदालत मातहत का आदेश विरुद्ध कानून व पत्रावली होने से खारिज होने योग्य है। हल्का पटवारी डूमोली कलां ने अपनी रिपोर्ट दिनांक 18.8.2020 में अपीलांट का पुराना मकान बना हुआ बताया है जिसमें अपीलांट अपने परिवार सहित रह रहा है। उक्त खसरा में 30-35 मकान और बने हुये हैं, कोई भी नया अतिक्रमण नहीं है। अपीलांट ने अपने मकानों में बिजली पानी के कनेक्शन ले रखे हैं और पक्के मकान बनाकर परिवार सहित आबाद है। पटवारी हल्का की स्पष्ट रिपोर्ट के बावजूद भी अपीलांट के विरुद्ध एक पक्षीय निर्णय पारित कर बेदखली का आदेश दिया गया है। अतः अपील स्वीकार की जाकर नायब तहसीलदार सिंघाना का निर्णय दिनांक 26.8.2020 निरस्त किये जाने का निवेदन किया।

दौराने बहस पैरोकार सरकार ने बताया कि अपीलान्ट द्वारा ग्राम दौचाना स्थित राजकीय भूमि खसरा नंबर 493/202 किस्म गै0 मु0 जोहड़ के रकबा 88 वर्ग मीटर में अवैध रूप से आवासीय मकान बनाकर अनाधिकृत अतिक्रमण किया है। जिस पर अपीलांट को सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान करते हुये अधीनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार सिंघाना द्वारा विधिक प्रक्रिया के तहत निर्णय पारित किया गया है। अतः अपील अपीलांट सारहीन होने के कारण खारिज की जावे।

मैंने पत्रावली का अवलोकन किया एवं विद्वान अभिभाषकगण की बहस पर मनन किया। हल्का पटवारी डूमोली की रिपोर्ट के अनुसार अपीलांट ने ग्राम दौचाना स्थित राजकीय भूमि खसरा नंबर 493/202 किस्म गै0 मु0 जोहड़ के रकबा 88 वर्ग मीटर में अवैध रूप से आवासीय मकान बनाकर अनाधिकृत अतिक्रमण किया है। अधीनस्थ न्यायालय में अपीलांट की विधिवत तामील हुई है। अपीलांट को जवाब पेश करने का पूरा अवसर दिया गया है। अपीलांट द्वारा अधीनस्थ न्यायालय व हाजा न्यायालय के समक्ष ऐसी कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की जिससे विवादित भूमि पर उसका कब्जा वैध साबित होता हो। विवादित भूमि की किस्म गैर मु0 जोहड़ है जो माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में विवादित भूमि नियमन योग्य नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रकरण के तथ्यों एवं परिस्थितियों को देखते हुये अपील अपीलांट स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता।

अति. जिला कलक्टर  
सुंहरा

